भारतीय विद्यालय अल वादी अल कबीर -2026-27

कक्षा-10	विभाग: हिंदी	Date – 07.04.26
STUDY MATERIAL-1	व्याकरण – समास	Note: Pl. file in portfolio

नाम: ____________________अनुभाग: ______ अनुक्रमांक: ______ दिनांक: ___________

समास- COMPOUND

दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से नए शब्द बनाने की क्रिया को समास कहते हैं। इस विधि से बने शब्दों को समस्त पद कहते हैं। जब समस्तपदों को वापस पृथक किया जाता है तो उसे समास-विग्रह कहते हैं। उदाहरण- गंगाजल- गंगा का जल।

समास के भेद (KINDS OF COMPOUND)

समास के छः भेद होते हैं -

1.तत्पुरुष समास (Determinative Compound)

2.कर्मधारय समास (Oppositional Determinative Compound)

3.द्विगु समास (Numeral Compound)

4.अव्ययीभाव समास (Adverbial Compound)

5.द्वंद्व समास (Copulative Compound)

6.बहुव्रीहि समास (Attributive Compound)

1.तत्पुरुष समास- समस्त पद को अलग करने पर बीच में कारक विभक्ति होती है। समस्त पद बनाते समय बीच की कारक विभक्तियों का लोप हो जाता है। पहले पद को पूर्वपद और दूसरे पद को उत्तरपद कहते हैं। तत्पुरुष समास में पूर्वपद गौण और उत्तर पद प्रधान होता है।

Clue- (i)when you split the word you get कारक चिह्न in the middle. (को, से, के द्वारा,

के लिए, में, पर ,का ,के, की)

(ii) अ, अन & न – these three prefixes come under तत्पुरुष समास

उदा:-यशप्राप्त – यश को प्राप्त

तुलसीकृत -तुलसी द्वारा /से कृत

देशनिकाला -देश से निकाला

सत्याग्रह – सत्य के लिए आग्रह

मानवधर्म – मानव का धर्म

राजमाता – राजा की माता

धर्मानुसार – धर्म के अनुसार

गृहप्रवेश – गृह में प्रवेश

आत्मविश्वास – आत्मा पर विश्वास

असत्य – न सत्य

अनादर – न आदर

नास्तिक – न आस्तिक

2.कर्मधारय – जिसका पहला पद विशेषण और दूसरा पद विशेष्य अथवा एक पद उपमान और दूसरा पद उपमेय होता है।कर्मधारय समास में पूर्वपद गौण और उत्तर पद प्रधान होता है।

Clue- (i) Adjective + Noun – विशेषण + विशेष्य

when you split the word, you get 'है जो'-in the middle.

उदाहरण – लालछड़ी -लाल है जो छड़ी

(ii) Noun + Noun – उपमान + उपमेय (Comparison)

When you split the word you get 'के समान' / 'जैसे' & 'रुपी' in the middle.

उदाहरण – अंधकूप – अंधा है जो कूप

महाविद्यालय – महान है जो विद्यालय

नरसिंह – नर रुपी सिंह

चंद्रमुख – चंद्र जैसा / के समान मुख

कुसुमकोमल -कुसुम के समान कोमल

भवसागर – भव रुपी सागर

प्रधानमंत्री- प्रधान है जो मंत्री

विद्याधन – विद्या रुपी धन

परमानंद – परम है जो आनंद

कमलनयन – कमल के समान नयन

3.द्विगु समास–इसमें पहला पद संख्यावाचक होता है तथा किसी समूह विशेष का बोध कराता है। द्विगु समास में पूर्वपद गौण और उत्तर पद प्रधान होता है ।

Clue-(i) The first part of the word is a NUMBER

(ii) when you split the word it ends with 'का समूह'/का समाहार

(iii) Noun becomes plural-ex. दोराहा- दो **राहों** का समाहार

उदाहरण –दुअन्नी – दो आनों का समूह

त्रिभुवन – तीन भुवनों का समाहार

चौराहा – चार राहों का समाहार

पंजाब – पाँच आबों/नदियों का समूह

षडरस- छे रसों का समाहार

सप्तपुर -सात नगरों का समाहार

अठन्नी – आठ आनों का समूह

नवरत्न – नौ रत्नों का समूह

दशानन – दस आननों का समूह

शताब्दी – सौ अब्दों /वर्षों का समाहार

सतसई – सात सौ दोहों का समूह

४.अव्ययीभाव समास – (Adverbial compound) जिस समास में पहला पद अव्यय हो, उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं ।अव्ययीभाव समास में पूर्वपद प्रधान और उत्तर पद गौण होता है- Clue-(i) Prefix-words (except अ, अन & न)

(ii) splitting differs from word to word.

(iii) Hyphenated repeated words

उदाहरण –यथासमय – समय के अनुसार

यथाविधि – विधि के अनुसार

यथाशीघ्र – जितना शीघ्र हो

यथासंभव -जैसा संभव हो

आजन्म – जन्म से लेकर

आजीवन – जीवन भर

आमरण – मरण तक

आजानु – घुटनों तक

प्रतिपल – हर पल

प्रतिवर्ष – हर वर्ष

भरपेट – पेट भरकर

भरसक – पूरी शक्ति से

भरपूर – पूरा भरा हुआ

बेमतलब – बिना मतलब के

सपरिवार – परिवार सहित

निस्संदेह – संदेह रहित

गली–गली – हर गली

धीरे–धीरे – बहुत धीरे

रातों–रात – रात ही रात में

5.द्वंद्व समास –जिस समस्तपद में दोनों पद प्रधान हो तथा विग्रह करने में दोनों पदों के बीच 'और', 'या', 'तथा', 'अथवा' जैसे योजक शब्दों का प्रयोग हो तो, उसे द्वंद्व समास कहते हैं। (पूर्व पद और उत्तर पद दोनों प्रधान)

Clue-(i) Hyphenated different words (exceptions-भीमार्जुन, देवासुर आदि)

(ii) when you split the word, you get और / या in the middle.

उदाहरण – बेटा-बेटी – बेटा और बेटी

दूध – दही – दूध और दही

धनुर्बाण – धनुष और बाण

लाभालाभ – लाभ और अलाभ

रात-दिन – रात और दिन

ठंडा-गरम – ठंडा या गरम

6.बहुव्रीहि समास – जहाँ पहला पद और दूसरा पद मिलकर किसी तीसरे पद की ओर संकेत करते हैं, वहाँ बहुव्रीहि समास होता है। इसमें दोनों पद गौण होते हैं और तीसरा बाहरी पद प्रधान होता है। जैसे- 'एकदंत' अर्थात एक दाँत वाला है जो – गणेश। यहाँ 'एक' और 'दंत' में से कोई पद प्रधान नहीं है; बल्कि ये दोनों पद मिलकर तीसरे पद 'गणेश' के लिए प्रयुक्त हो रहे हैं।

Clue-(i)It refers to a spl person, place or thing – (mostly Hindu God)

(ii)When you split, it ends with ...

जिसका , जिसके , जिसकी

वाला , वाले , वाली

जो

उदाहरण – मुरलीधर – मुरली को धारण करने वाला (कृष्ण)

अंशुमाली – अंशु है माला जिसकी (सूर्य देव)

हलधर – हल को धारण करने वाला (बलराम/किसान)

सिंहवाहिनी – सिंह है वाहन जिसका (पार्वती)

चक्रपाणि- चक्र है पाणि में जिसके (विष्णु)

पवनसुत – पवन का सुत/पुत्र है जो (हनुमान)

आशुतोष – शीघ्र प्रसन्न होनेवाला (शिव)

नीलकंठ – नीला है कंठ जिसका (शिव)

पीतांबर – पीले वस्त्र धारण करनेवाला / पीले हैं वस्त्र जिसके (कृष्ण)

लंबोदर - लंबा है उदर(पेट) जिसका (गणेश)

गजानन – हाथी के समान मुख वाला (गणेश)

गिरिधर – गिरि को धारण करने वाला (कृष्ण)

चतुर्भुज – चार भुजाएँ हैं जिसकी (विष्णु)

मेघनाद – मेघ के समान नाद(गर्जना) है जिसका (रावण का पुत्र)

घनश्याम – घन के समान श्याम है जो (कृष्ण)

दशानन – दस आनन हैं जिसके / दस आनन वाला (रावण)

वीणापाणि – वीणा है पाणि(हाथ) में जिसके (सरस्वती)

चंद्रशेखर – चंद्र है शेखर पर जिसके (शिव)

मक्खीचूस – मक्खी तक को चूस ले जो (कंजूस व्यक्ति)